NEWS CLIPPING:29.11.2023

PUNJAB KESARI

शोधार्थियों के लिए अकादमिक संवाद श्रृंखला की हुई शुरुआत

■ गणित, भौतिकी, रसायन विज्ञान विषय परप शोध कार्य सांझा किया गया

फरीदाबाद, 28 नवम्बर (सूरजमल): जे.सी. बोस विज्ञान और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, वाईएमसीए, फरीदाबाद के विज्ञान और जीव विज्ञान संकाय द्वारा अनुसंधान और विकास प्रकोष्ठ के संयुक्त तत्वावधान में एक अकादमिक संवाद श्रृंखला का शुभारंभ किया है, जिसका उद्देश्य शोधार्थियों को अपने शोध संबंधी कार्यों एवं समस्याओं का साझा करने के लिए मंच प्रदान करना है ताकि वे मूल शोध करें और अपने साथी संकाय सदस्यों और शोधकर्ताओं से सीख सकें।

शोधार्थियों के साथ चर्चा करते हुए कुलपति प्रो. सुशील कुमार तोमर।

यह श्रृंखला विश्वविद्यालय द्वारा अपनी तरह की पहल है, जोकि प्रदेश में अंत:विषय विज्ञान को बढ़ावा देने में अहम भूमिका निभायेगी। कार्यक्रम की शुरुआत विज्ञान और जीव विज्ञान संकाय की डीन प्रोफेसर नीतू गुप्ता के स्वागत भाषण से हुई, जिन्होंने विश्वविद्यालय के विभिन्न विज्ञान विभागों में अनुसंधान कार्य एवं गतिविधियों का ब्यौरा प्रस्तुत किया। इस अवसर पर मुख्य रूप से उपस्थित कुलपति प्रो. सुशील कुमार तोमर ने सभी शोधार्थियों को संवाद श्रृंखला से जुड़ने के लिए बधाई दी।

कार्यक्रम के दौरान, गणित विभाग से शोधार्थी दीपक ने क्वांटम ऑप्टिक्स की बुनियादी अवधारणाओं पर व्याख्यान दिया, जबकि भौतिकी विभाग से शोधार्थी अनीता शर्मा ने ऑप्टोइलेक्ट्रिकल सेंसिंग अनुप्रयोगों के लिए पॉलीएनिलिन-आधारित नैनोस्ट्रक्चर पर अपना शोध प्रस्तुत किया। रसायन विज्ञान विभाग की हिमाशी ने भी अपना शोध कार्य सांझा किया।

NEWS CLIPPING:29.11.2023

HADOTI ADHIKAR

शोधार्थियों के लिए अकादमिक संवाद श्रृंखला का शुभारंभ

हाड़ौती अधिकार

फरीदाबाद, 28 नवम्बर। जे.सी. बोस विज्ञान और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, वाईएमसीए के विज्ञान और जीव विज्ञान संकाय द्वारा अनुसंधान और विकास प्रकोष्ठ के संयुक्त तत्वावधान में अकादमिक संवाद श्रृंखला का शुभारंभ किया है, जिसका उद्देश्य शोधार्थियों को अपने शोध संबंधी कार्यों एवं समस्याओं का साझा करने के लिए मंच प्रदान करना है ताकि वे मूल शोध करें और अपने साथी संकाय सदस्यों और शोधकर्ताओं से सीख सकें। यह श्रृंखला विश्वविद्यालय द्वारा अपनी तरह की पहल है, जोकि प्रदेश में अंत:विषय विज्ञान को बढ़ावा देने में अहम भूमिका निभायेगी। कार्यक्रम की शुरुआत विज्ञान और जीव विज्ञान संकाय की डीन प्रोफेसर नीतू गुप्ता के स्वागत भाषण से हुई, जिन्होंने विश्वविद्यालय के विभिन्न विज्ञान विभागों में अनुसंधान कार्य एवं गतिविधियों का ब्यौरा प्रस्तुत किया।

NEWS CLIPPING:29.11.2023

HINDUSTAN

विश्वविद्यालय में शोधार्थियों के लिए संवाद श्रृंखला शुरू

फरीदाबाद के जेसी बोस विश्वविद्यालय में मंगलवार को कार्यक्रम में शोधार्थियों के साथ चर्चा करते कुलपति प्रो. सुशील कुमार तोमर। • हिन्दुस्तान

- जेसी बोस विश्वविद्यालय में किया गया आयोजन
- कार्यक्रम में 50 से ज्यादा शोधार्थी शामिल रहे

फरीदाबाद, संवाददाता। जेसी बोस विज्ञान और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, वाईएमसीए, फरीदाबाद में अकादमिक संवाद शृंखला का शुभारंभ किया गया। विश्वविद्यालय के विज्ञान और जीव विज्ञान संकाय द्वारा अनुसंधान और विकास प्रकोष्ठ के संयुक्त तत्वावधान में आयोजन किया गया। कार्यक्रम में 50 से ज्यादा शोधार्थियों तथा संकाय सदस्यों ने हिस्सा लिया।

इसका उद्देश्य शोधार्थियों को अपने शोध संबंधी कार्यों एवं समस्याओं का साझा करने के लिए मंच प्रदान करना है। विज्ञान और जीव विज्ञान संकाय की डीन प्रोफेसर नीतू गुप्ता ने विश्वविद्यालय के विभिन्न विज्ञान विभागों में अनुसंधान कार्य एवं गतिविधियों का ब्योरा प्रस्तुत किया। कुलपति प्रो. सुशील कुमार तोमर ने सभी शोधार्थियों को संवाद शृंखला से जुड़ने के लिए बधाई दी और उन्हें अपने विचारों पर खुलकर चर्चा करने के लिए प्रोत्साहित किया। कार्यक्रम के दौरान, गणित विभाग से शोधार्थी दीपक ने क्वांटम ऑप्टिक्स की बुनियादी अवधारणाओं पर व्याख्यान दिया, जबकि भौतिकी विभाग से शोधार्थी अनीता शर्मा ने ऑप्टोइलेक्ट्रिकल सेंसिंग अनुप्रयोगों के लिए पॉलीएनिलिन-आधारित नैनोस्ट्रक्चर पर अपना शोध प्रस्तुत किया। रसायन विज्ञान विभाग की हिमाशी ने भी अपना शोध कार्य साझा किया।

NEWS CLIPPING:29.11.2023

AMAR UJALA

50 से ज्यादा विद्यार्थियों-संकाय सदस्यों ने शोध की दी प्रस्तुति

फरीदाबाद। जेसी बोस विज्ञान और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के विज्ञान व जीव विज्ञान संकाय की ओर से मंगलवार को संवाद शृंखला का शुभारंभ किया है। शोधार्थियों ने शोध संबंधी कार्यों एवं समस्याओं को साझा किया। जिससे संकाय सदस्यों ने शोधकर्ताओं को जानकारी दी। इसमें 50 से ज्यादा शोधार्थियों तथा संकाय सदस्यों ने हिस्सा लिया।

कार्यक्रम की शुरुआत विज्ञान और जीव विज्ञान संकाय की डीन प्रोफेसर नीतू गुप्ता ने की। विज्ञान विभागों में अनुसंधान कार्य एवं गतिविधियों का ब्यौरा प्रस्तुत किया। गणित विभाग शोध करने वाले दीपक ने क्वांटम ऑप्टिक्स की बुनियादी अवधारणाओं के विषय में जानकारी दी। भौतिकी विभाग से शोधार्थी अनीता शर्मा ने ऑप्टो इलेक्ट्रिकल सेंसिंग प्रयोगों के लिए पॉलीएनिलिन-आधारित नैनो स्ट्रक्चर पर शोध प्रस्तुत किया। ब्यूरो

जेसी बोस विश्वविद्यालय में शोधकर्ताओं से चर्चा करते कुलपति। स्रोत विवि

J. C. Bose University of Science and Technology, YMCA, Faridabad
(formerly YMCA University of Science and Technology)
A State Govt. University established wide State Legislative Act. No. 21 of 2009
SECTOR-6, FARIDABAD, HARYANA-121006
Ph. 129-2310127 | email:proymcaust@gmail.com | web: www.jcboseust.ac.in

NEWS CLIPPING:29.11.2023

REPCO NEWS

जे.सी. बोस विश्वविद्यालय ने शोधार्थियों के लिए अकादमिक संवाद श्रृंखला का शुभारंभ किया

फरीदाबाद, 28 नवम्बर (रैपको न्यूज)। जे.सी. बोस विज्ञान और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, वाईएमसीए, फरीदाबाद के विज्ञान और जीव विज्ञान संकाय द्वारा अनुसंधान और विकास प्रकोष्ठ के संयुक्त तत्वावधान में एक अकादमिक संवाद श्रृंखला का शुभारंभ किया है, जिसका उद्देश्य शोधार्थियों को अपने शोध संबंधी कार्यों एवं समस्याओं का साझा करने के लिए मंच प्रदान करना है ताकि वे मूल शोध करें और अपने साथी संकाय सदस्यों और शोधकर्ताओं से सीख सकें। यह श्रृंखला विश्वविद्यालय द्वारा अपनी तरह की पहल है, जोकि प्रदेश में अंत:विषय विज्ञान को बढ़ावा देने में अहम भूमिका निभायेगी।

कार्यक्रम की शुरुआत विज्ञान और जीव विज्ञान संकाय की डीन प्रोफेसर नीतू गुप्ता के स्वागत भाषण से हुई, जिन्होंने विश्वविद्यालय के विभिन्न विज्ञान विभागों में अनुसंधान कार्य एवं गतिविधियों का ब्यौरा प्रस्तुत किया।

इस अवसर पर मुख्य रूप से उपस्थित कुलपति प्रो. सुशील कुमार तोमर ने सभी शोधार्थियों को संवाद श्रृंखला से जुड़ने के लिए बधाई दी और उन्हें अपने विचारों पर खुलकर चर्चा करने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने भौतिकी, रसायन विज्ञान, गणित और पर्यावरण विज्ञान विभागों के शोधार्थियों के साथ संवाद किया तथा उत्कृष्ट वैज्ञानिक योग्यता विकसित करने के लिए उनको मार्गदर्शन दिया।

कार्यक्रम के दौरान, गणित विभाग से शोधार्थी दीपक ने क्वांटम ऑप्टिक्स की बुनियादी अवधारणाओं पर व्याख्यान दिया, जबकि भौतिकी विभाग से शोधार्थी अनीता शर्मा ने ऑप्टोइलेक्ट्रिकल सेंसिंग अनुप्रयोगों के लिए पॉलीएनिलिन-आधारित नैनोस्ट्रक्चर पर अपना शोध प्रस्तुत किया। रसायन विज्ञान विभाग की हिमांशी ने भी अपना शोध कार्य साझा किया।

सत्र के समापन पर अनुसंधान एवं विकास प्रकोष्ठ की निदेशक प्रोफेसर मनीषा गर्ग ने अभिनव कार्यों में शोधार्थियों के समक्ष आने वाली वैज्ञानिक चुनौतियों का समाधान करने के लिए विश्वविद्यालय की पहल में हिस्सा लेने के लिए सभी प्रतिभागियों का आभार व्यक्त किया। संगोष्ठी में भौतिकी विभाग की अध्यक्षा प्रोफेसर सोनिया बंसल, प्रोफेसर अनुराधा शर्मा, पर्यावरण विज्ञान विभाग की अध्यक्षा डॉ. रेणुका गुप्ता और संकाय समन्वयक डॉ. सोमवीर, डॉ. अनुराग प्रकाश, डॉ. सूरज गोयल और डॉ. प्रमोद कुमार भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम में 50 से ज्यादा शोधार्थियों तथा संकाय सदस्यों ने हिस्सा लिया।

NEWS CLIPPING:29.11.2023

SATYAJAY TIMES

जे.सी. बोस विश्वविद्यालय ने संवाद श्रृंखला का किया शुभारंभ

फरीदाबाद, 28 नवंबर, सत्यजय टाईम्स/वनिता। जे.सी. बोस विज्ञान और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, वाईएमसीए, फरीदाबाद के विज्ञान और जीव विज्ञान संकाय द्वारा अनुसंधान और विकास प्रकोष्ठ के संयुक्त तत्वावधान में

शोधार्थियों के साथ चर्चा करते हुए कुलपति प्रो. सुशील कुमार तोमर।
छाया: सत्यजय टाईम्स/पुष्पा अग्रवाल

एक अकादमिक संवाद श्रृंखला का शुभारंभ किया है, जिसका उद्देश्य शोधार्थियों को अपने शोध संबंधी कार्यों एवं समस्याओं को साझा करने के लिए मंच प्रदान करना है ताकि वे मूल शोध करें और अपने साथी संकाय सदस्यों और शोधकताओं से सीख सकें।

यह श्रृंखला विश्वविद्यालय द्वारा अपनी तरह की पहल है, जोकि प्रदेश में अंतःविषय विज्ञान को बढ़ावा देने में अहम भूमिका निभायेगी। कार्यक्रम की शुरूआत विज्ञान और जीव विज्ञान संकाय की डीन प्रोफेसर नीतू गुप्ता के स्वागत भाषण से हुई, जिन्होंने विश्वविद्यालय के विभिन्न विज्ञान विभागों में अनुसंधान कार्य एवं गतिविधियों का ब्यौरा प्रस्तुत किया। इस अवसर पर मुख्य रूप से उपस्थित कुलपति प्रो. सुशील कुमार तोमर ने सभी शोधार्थियों को संवाद श्रृंखला से जुड़ने के लिए बधाई दी और उन्हें अपने विचारों पर खुलकर चर्चा करने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने भौतिकी, रसायन विज्ञान, गणित और पर्यावरण विज्ञान विभागों के शोधार्थियों के साथ संवाद किया तथा उत्कृष्ट वैज्ञानिक योग्यता विकसित करने के लिए उनको मार्गदर्शन दिया।